<table>
<tr><th colspan="4">भाग अ- परिचय</th></tr>
<tr><td colspan="2">कार्यक्रम: स्नातक पाठ्यक्रम</td><td>कक्षा: बी.ए.</td><td>वर्ष : प्रथम वर्ष | सत्र : 2025-2026</td></tr>
<tr><td colspan="4">विषय: समाजशास्त्र</td></tr>
<tr><td>1</td><td>पाठ्यक्रम का कोड</td><td colspan="2">M 1</td></tr>
<tr><td>2</td><td>पाठ्यक्रम का शीर्षक</td><td colspan="2">समाजशास्त्र का परिचय</td></tr>
<tr><td>3</td><td>पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोरकोर्स/ इलेक्टिव/ जेनेरिक इलेक्टिव/ वोकेशनल)</td><td colspan="2">माइनर</td></tr>
<tr><td>4</td><td>पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)</td><td colspan="2">उच्च माध्यमिक प्रमाणपत्र : किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10+2 या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण करना ।</td></tr>
<tr><td>5</td><td>पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)</td><td colspan="2">1. विद्यार्थी भारतीय ज्ञान परंपरा के सामाजिक चिंतन एवं सामाजिक दर्शन की मूलभूत मान्यताओं से परिचित होंगे।
2. विद्यार्थी समाजशास्त्र की अवधारणा तथा एक विषय के रूप में उसके उद्भव एवं विकास को जान सकेंगे।
3. विद्यार्थी समाजशास्त्र की प्राथमिक अवधारणाओं, उनकी संरचना एवं स्वरूप को समझ सकेंगे ।
4. विद्यार्थी सामाजिक समूह, सामाजिक व्यवस्था, प्रस्थिति एवं भूमिका की प्रकृति एवं विविध आयामों से परिचित होंगे।
5. विद्यार्थी सामाजिक स्तरीकरण एवं सामाजिक वर्ग संरचना के अंतर्संबंध एवं स्वरूपों को समझ सकेंगे।</td></tr>
<tr><td>6</td><td>क्रेडिट मान</td><td colspan="2">4</td></tr>
<tr><td>7</td><td>कुलअंक</td><td>अधिकतमअंक: 30+70</td><td>न्यूनतम उत्तीर्णअंक: 35</td></tr>
<tr><th colspan="4">भागब- पाठ्यक्रम की विषय वस्तु</th></tr>
<tr><td colspan="4">व्याख्यान की कुल संख्या- ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रतिसप्ताह घंटे में):L-T-P: 02-00-00= प्रति सप्ताह</td></tr>
<tr><td>इकाई</td><td colspan="2">विषय</td><td>व्याख्यान की संख्या</td></tr>
</table>

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

		(01 घण्टा)
प्रथम	भारतीय ज्ञान परम्परा में निहित सामाजिक चिन्तन 1. भारतीय दर्शन में ऋण की संकल्पना 2. स्वधर्म तथा कर्म की सकंल्पना 3. पुरूषार्थ की अवधारणा	12
	सारबिन्दु - स्वधर्म तथा कर्म की सकंल्पना, पुरूषार्थ, ऋण	
	गतिविधि - भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ में उपलब्ध संबंधित ग्रन्थों का अध्ययन कर आलेख लिखना।	
द्वितीय	समाजशास्त्र का परिचय 1. समाजशास्त्र: अर्थ, प्रकृति, विषय-क्षेत्र 2. समाजशास्त्र की उत्पत्ति,समाजशास्त्र का विकास (भारत के विशेष संदर्भ में) 3. समाजशास्त्र का महत्व	12
	सारबिन्दु - समाजशास्त्र की प्रकृति, विषयक्षेत्र, उत्पत्ति, विकास	
	गतिविधि - भारत में समाजशास्त्र से संबंधित प्रमुख अध्ययन केन्द्रों एवं परिषदों के परिचय पर आधारित परियोजना कार्य।	
तृतीय	मूल अवधारणाएं – (अर्थ, विशेषता, प्रकार, एवं अन्तर) 1. समाज एवं समुदाय 2. समिति एवं संस्था 3. सामाजिक संरचना एवं प्रकार्य	12
	सारबिन्दु - समुदाय, समिति, संस्था, सामाजिक संरचना एवं प्रकार्य।	
	गतिविधि - समीप स्थित किसी सामाजिक/सांस्कृतिक/ धार्मिक/ शैक्षिक संस्था का सर्वेक्षण कार्य एवं प्रतिवेदन लेखन।	
चतुर्थ	मूल अवधारणाएं – (अर्थ, विशेषता, प्रकार, महत्व) 1. सामाजिक समूह, प्राथमिक एवं द्वितीयक समूह 2. प्रस्थिति एवं भूमिका 3. सामाजिक व्यवस्था	12
	सारबिन्दु - प्राथमिक समूह, द्वितीयक समूह, प्रस्थिति , भूमिका, सामाजिक व्यवस्था।	
	गतिविधि - रामचरित मानस ग्रंथ का उपरोक्त अध्यायों में किसी एक का अर्न्तवस्तु विश्लेषण कार्य अथवा किसी महान समाज सुधारक की प्रस्थिति एवं भूमिका की केस स्टडी।	
पंचम	सामाजिक स्तरीकरण एवं गतिशीलता	12

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	1. सामाजिक स्तरीकरण : अर्थ, विशेषताएं, आधार 2. भारत में सामाजिक वर्ग: कृषक, औद्यौगिक एवं मध्यम वर्ग 3. सामाजिक गतिशीलता : अर्थ, विशेषताएं, प्रकार, कारक	
	सारबिन्दु - सामजिक स्तरीकरण, सामाजिक वर्ग, सामाजिक गतिशीलता	
	गतिविधि - ग्राम एवं नगर में सामाजिक गतिशीलता के कारकों को सूचीबद्ध करना। सामाजिक स्तरीकरण के आधारों की वर्तमान स्थिति पर निबंध लेखन।	
	कुल व्याख्यान	60 घण्टें

भागस- अनुशंसितअध्ययनसंसाधन

अनुशंसितपुस्तकें/ सहायकपुस्तकें/अन्यपाठ्यसंसाधन/ पाठ्यसामग्री :

1. अटल योगेश:समाजशास्त्र की समझ पियर्सन,नईदिल्ली

2. भदोरिया एवं पाटिल(2021):समाजशास्त्र की प्राथमिक अवधारणाएं, मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी भोपाल.

3. धर्मपाल (1994):भारत का स्वधर्म, बाग देवी प्रकाशन, बीकानेर

4. दिनकर रामधारी सिंह(तृतीय संस्करण 2018): संस्कृति के चार अध्याय,लोक भारती प्रकाशन, नईदिल्ली

5. दीक्षित ध्रुवकुमार: समाजशसत्र की बुनियादी अवधारणाओं का परिचय,आगराबु क इंटरनेशनल, आगरा इग्नूकेनोट्स

6. खत्री अर्जुनदास (2024): धर्म,संस्कृति, समाज और राष्ट्र इंदिरा पब्लिकेशन हाउस,भोपाल.

7. परिमल,बीकर:समाजशसत्र:-जवाहर पब्लिशर्स, नईदिल्ली

8. सिंधी नरेंद्र कुमार गोस्वामी वसुधाकर (2023), समाजशास्त्र विवेचन,राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी

9. सिंह जे.पी (2019)समाजशास्त्र अवधारणाएं एवं सिद्धांत PHI learning private limited , दिल्ली

10. तिलक बाल गंगाधर :गीता रहस्य, डायमंड बुक्स, नई दिल्ली

11. उपाध्याय बलदेव: वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, शारदा संस्थान वाराणसी

12. Bierstedt, Robert(1970): The Social Order, New Delhi: Tata McGraw-Hill Publishing Co. Ltd.,

13. Bottomore, T.B.(1972.), Sociology, New York: Vintage Books.

14. Giddens, Anthony,(1993 and 1998). Cambridge: Polity Press,.Sociology.

15. Ginsberg, M.,(1979). Sociology, Delhi: Surjeet Publications,

16. Inkeles, Alex(1977.), What is Sociology?, New Delhi: Prentice-Hall of India Pvt. Ltd.,

17. Johnson, H.M.(1983), Sociology, New Delhi: Allied Publishing Pvt. Ltd.,

डॉ. ममता बाजपेयी

अध्यक्ष, समाजशास्त्र

केन्द्रीय अध्ययन मण्डल

महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

18. MacIver, R.M. and Page, Charles H(1985)., Society, New Delhi: Macmillan India Ltd.

19. Nayar, P.K.B. (Eds.), Sociology in India: Retrospect and Prospect, Delhi: B.R. Publishing Corporate.

अनुशंसितसमकक्षऑनलाइनपाठ्यक्रम:

Indian Tribes:

https://www.google.com/search?q=Indian+Tribes+prospectus&oq=indian+tribes&aqs=chrome.1.6915912j69157j014j69i60.9261j07&sourceid=chrome&ie=UTF-8

https://tribal.nic.in/scholarship.aspx

Indian Society:

http://sdeuoc.ac.in/sites/default/files/sde_videos/11%20Sem.%20-%20Socio%20-%20Indian%20Society%202019%20Admn.%281%29.pdf

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रमः

इग्नू और अन्य केंद्र/राज्य संचालित विश्वविद्यालय भारत और विदेश में "SWAYAM" जैसे MOOC प्लेटफॉर्म ।

भागद-अनुशंसितमूल्यांकनविधियां:

अनुशंसितसततमूल्यांकनविधियां:

अधिकतमअंक: 100

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां:

अधिकत मअंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30

विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 70

आंतरिक मूल्यांकन: **सतत व्यापक मूल्यांकन** (CCE): 30	क्लासटेस्ट असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	**कुलअंक : 30**
आकलन : 70 **विश्वविद्यालयीन परीक्षा**: समय- 03.00 घंटे	**अनुभाग (अ): तीन अति लघु प्रश्न (प्रत्येक 50 शब्द)** **अनुभाग (ब): चार लघु प्रश्न (प्रत्येक 200शब्द)** **अनुभाग (स): दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)**	**कुलअंक** 70

कोईटिप्पणी/सुझाव:

डॉ. ममता बाजपेयी

अध्यक्ष, समाजशास्त्र

केन्द्रीय अध्ययन मण्डल

महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

डॉ. ममता बाजपेयी

अध्यक्ष, समाजशास्त्र

केन्द्रीय अध्ययन मण्डल

महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part A Introduction			
Program: U.G. Certificate	**Class: B.A.**	**Year: First Year**	**Session:2025-26**

Subject: Sociology		
1	**Course Code**	**M 1**
2	**Course Title**	**Introduction of Sociology**
3	**Course Type (Core Course/Elective/ Generic Elective/ Vocational/)**	**Minor**
4	**Pre-requisite (if any)**	Higher Secondary Certificate : Completion of 10+2 Or equivalent examination from a recognized board.
5	**Course Learning Outcomes (CLO)**	1. Students will be introduced to the fundamental principles of social thought and social philosophy in the Indian knowledge tradition. 2. Students will be able to understand the concept of Sociology and its origin and development as a discipline in the Indian context. 3. Students will comprehend the basic concepts of sociology, their structure, and nature. 4. Students will be familiar with the nature and various dimensions of social groups, social organization, status, and role. 5. Students will understand the interrelationship and forms of social stratification and social class structure.
6	**Credit Value**	04
7	**Total Marks**	Max. Marks:30+70 — Min. Passing Marks:35

Part B-Content of the Course		
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week):L-T-P:02-00-00=		
Unit	**Topics**	**No. of Lectures (1 Hour Each)**
I	Social thought embedded in the Indian knowledge tradition 1. Concept of Rina in Indian philosophy 2. Concept of Swadharma and Karma 3. Concept of Purusharth	**12**
	Key word - Concept of Rina, Swadharma and Karma, Purushaarth	
	Activity - Study of the related text (Grantha) available in indian	

Department of Higher Education

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	knowledge tradition cell and writing of an article.	
II	Introduction to Sociology 1. Sociology: meaning, nature, scope 2. Origin of sociology, development of sociology (in the context of India) 3. Importance of Sociology	**12**
	Key word -Nature of Sociology, scope, origin, development.	
	Activity- Project work based on the introduction to major study centers and councils related to Sociology in India.	
III	Basic concepts – (meaning, characteristics) 1. Society and community 2. Society and institution 3. Social structure and function.	**12**
	Key word -community, society, institution, social structure and function.	
	Activity- Conduct a survey of a nearby social/cultural/religious or educational institution and writing a report.	
IV	Basic concepts – (meaning, characteristics, types, importance) 1. Social Group, Primary and Secondary group 2. Status and Role 3. Social System	**12**
	Key word - primary group, secondary group, status, role, social system.	
	Activity- Content analysis of any one of the above chapters from the study of Ramcharitmanas. A case study on the status and role of a great social reformer.	
V	Social stratification and Social mobility 1. Social Stratification: meaning, characteristics, basis 2. Social classes in India: Peasant, Industrial and Middle class 3. Social mobility: meaning, characteristics, types, factors	**12**
	Key word - social stratification, social class, social mobility	

डॉ. ममता बाजपेयी

अध्यक्ष, समाजशास्त्र

केन्द्रीय अध्ययन मण्डल

महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	Activity - * Listing of the factors of social mobility in rural and urban areas. • Write an essay on the current status of the bases of Social stratification.	
	Total Lectures	**60 Hours**

डॉ. ममता बाजपेयी

अध्यक्ष, समाजशास्त्र

केन्द्रीय अध्ययन मण्डल

महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part C-Learning Resources

Text Books, Reference Books, Other resources

Suggested Readings:

1. अटल योगेश:समाजशास्त्र की समझ पियर्सन,नईदिल्ली
2. भदोरिया एवं पाटिल(2021):समाजशास्त्र की प्राथमिक अवधारणाएं, मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी भोपाल
3. धर्मपाल (1994):भारत का स्वधर्म, बाग देवी प्रकाशन, बीकानेर
4. दिनकर रामधारी सिंह(तृतीय संस्करण 2018): संस्कृति के चार अध्याय,लोक भारती प्रकाशन, नईदिल्ली
5. दीक्षित ध्रुवकुमार: समाजशसत्र की बुनियादी अवधारणाओं का परिचय,आगराबु क इंटरनेशनल, आगरा इग्नूकेनोट्स
6. खत्री अर्जुनदास (2024): धर्म,संस्कृति, समाज और राष्ट्र इंदिरा पब्लिकेशन हाउस,भोपाल.
7. परिमल,बीकर:समाजशसत्र:-जवाहर पब्लिशर्स, नईदिल्ली
8. सिंधी नरेंद्र कुमार गोस्वामी वसुधाकर (2023), समाजशास्त्र विवेचन,राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी
9. सिंह जे.पी (2019)समाजशास्त्र अवधारणाएं एवं सिद्धांत PHI learning private limited , दिल्ली
10. तिलक बाल गंगाधर :गीता रहस्य, डायमंड बुक्स, नई दिल्ली
11. उपाध्याय बलदेव: वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, शारदा संस्थान वाराणसी
12. Bierstedt, Robert(1970): The Social Order, New Delhi: Tata McGraw-Hill Publishing Co. Ltd.,
13. Bottomore, T.B.(1972.), Sociology, New York: Vintage Books.
14. Giddens, Anthony,(1993 and 1998). Cambridge: Polity Press,.Sociology.
15. Ginsberg, M.,(1979). Sociology, Delhi: Surjeet Publications,
16. Inkeles, Alex(1977.), What is Sociology?, New Delhi: Prentice-Hall of India Pvt. Ltd.,
17. Johnson, H.M.(1983), Sociology, New Delhi: Allied Publishing Pvt. Ltd.,
18. MacIver, R.M. and Page, Charles H(1985)., Society, New Delhi: Macmillan India Ltd.
19. Nayar, P.K.B. (Eds.), Sociology in India: Retrospect and Prospect, Delhi: B.R. Publishing Corporate.

Suggestedequivalentonlinecourses:

https://nios.ac.in/online-course-material/sr-secondary-courses/Sociology-(331).aspx

डॉ. ममता बाजपेयी

अध्यक्ष, समाजशास्त्र

केन्द्रीय अध्ययन मण्डल

महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रमः IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.
Part D-Assessment and Evaluation
Suggested Continuous Evaluation Methods: Maximum Marks:100 Continuous Comprehensive Evaluation(CCE):30 marks University Exam (UE) 70marks

Internal Assessment: Continuous Comprehensive Evaluation(CCE):30	Class Test Assignment/Presentation	30
External Assessment : University Exam Section: 70 Time:03.00Hours	**Section(A) Very** Short Questions- 3(50 Words) **Section(B):**Short Questions -4 (200 Words) **Section(C):**Long Questions -2(500 Words)	70

Any remarks/suggestions:

डॉ. ममता बाजपेयी

अध्यक्ष, समाजशास्त्र

केन्द्रीय अध्ययन मण्डल

महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)